# पूर्वानुमानित परीक्षा 2022

## कक्षा – दशम

## विषय : हिन्दी

समय : 3:15 घण्टे | पूर्णांक : 70

**निर्देश :**

प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर खण्डों के क्रमानुसार ही कीजिए।

कृपया जांच लें प्रश्न पत्र में प्रश्नों की कुल संख्या 12 तथा मुद्रित पृष्ठों की संख्या 05 है।

कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।

घण्टी का प्रथम संकेत प्रश्न पत्रों के वितरण एवं प्रश्न पत्र को पढने के लिए है। 15 मिनट के पश्चात घण्टी के द्वितीय संकेत पर प्रश्न पत्र हल करना प्रारम्भ कीजिए।

क. **निम्नलिखित कथनों में कोई एक कथन सत्य है, पहचानकर लिखिए–** (1)

1. 'रस मीमांसा' के रचनाकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी हैं।
2. 'प्रेम पथिक' जय शंकर प्रसाद की कहानी है।
3. 'साहित्य और कला' के लेखक भगवत शरण उपाध्याय हैं।
4. राम विलास शर्मा सुप्रसिद्ध कवि हैं।

ख. वियोग हरि के भावुकता प्रधान गद्य के दर्शन किस युग में हुए? (1)

ग. 'शिक्षा और संस्कृति' के लेखक का नाम लिखिए। (1)

घ. शुक्ल युग की कालावधि लिखिए। (1)

ङ. रायकृष्ण दास ने अपना 'साधन' ग्रन्थ किस विधा में लिखा? (1)

क 'शिवा बावनी' के रचनाकार का नाम लिखिए। (1)

ख. प्रगतिवादी युग की दो विशेषताएं लिखिए। (2)

(P.T.O.)



https://www.upboardonline.com

ग प्रयोगवादी काव्य की दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 2

निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (2+2+2=6)

क. संगसाजों ने उन गुफाओं पर रौनक बरसाई है, चितेरे जैसे रंग और रेखा में दर्द और दया की कहानी लिखते गए हैं, कलावंत छेनी से मूरतें उभारते–कोरते गए हैं, वैसे ही अजन्ता पर कुदरत का नूर बरस पड़ा है, प्रकृति भी वहां थिरक उठी है। बम्बई के सूबे में बम्बई और हैदराबाद के बीच, विन्ध्याचल के पूरब–पश्चिम दौडती पर्वत मालाओ से निचौंधें पहाड़ो का एक सिलसिला उत्तर से दक्खिन चला गया है, जिसे सह्याद्रि कहते हैं। अजन्ता के गुहा मन्दिर उसी पहाडी जजीर को सनाथ करते हैं।

1. गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
2. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
3. अजन्ता की गुफाए किसे सनाथ करती हैं?

ख. जब एक बार मनुष्य अपना पैर कीचड़ में डाल देता है तब फिर यह नहीं देखता है कि वह कहा और कैसी जगह पर पैर रखता है। **धीरे–धीरे उन बुरी बातो म अभ्यस्त होत–होते तुम्हारी घृणा कम हो** जाएगी। पीछे तुम्हें उनसे चिढ न मालूम होगी, क्योंकि तुम यह सोचने लगोगे कि चिढने की बात ही क्या है। तुम्हारा विवेक कुंठित हो जाएगा और तुम्हें भले बुरे की पहचान न रह जाएगी। अन्त मे होते–होते तुम भी बुराई के भक्त बन जाओगे। अतः अपने हृदय को उज्ज्वल और निष्कलंक रखने का सबसे अच्छा उपाय यही है कि बुरी संगत की छूत से बचो।

1. पाठ के लेखक और पाठ का नाम लिखिए।
2. रेखांकित अश की व्याख्या कीजिए।
3. मनुष्य का विवेक कब कुंठित हो जाता है?

निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए व काव्यगत सौन्दर्य लिखिए– (1+4+1=6)

क. गिरा अलिन मुख पंकज रोकी। प्रगट न लाज निसा अवलोकी।।
लोचन जलु रह लोचन कोना। जैसे परम कृपन कर सोना।।



https://www.upboardonline.com

सकुची व्याकुलता बड़ जानी। धरि धीरजु प्रतीति उर आनी।।
तन मन बचन मोर पनु साचा। रघुपति पद सरोज चितु राचा।।

ख. ऐसा रण, राणा करता था,
पर उसको था सन्तोष नहीं,
क्षण–क्षण आगे बढ़ता था वह,
पर कम होता था रोष नहीं।।
कहता था लड़ता मान कहां,
मैं कर लूं रक्त–स्नान कहां।
जिस पर तय विजय हमारी है।
वह मुगलो का अभिमान कहां।।

क. निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय व रचनाएं लिखिए– (2+1=3)

1. जयशंकर प्रसाद 2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद 4 भगवत शरण उपाध्याय

ख. निम्नलिखित कवियो में से किसी एक का जीवन परिचय व रचनाएं लिखिए– (2+1=3)

1. बिहारी लाल 2. महादेवी वर्मा
3. अशोक वाजपेई 4. सुभद्रा कुमारी चौहान

निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिए (1+3=4)

"विश्वस्य स्रष्टा ईश्वरः एक एव" इति भारतीय संस्कृतेः मूलम। विभिन्ना मतावलम्बिनः विविधैः नामभिः एकम एव ईश्वरं भजन्ते। अग्निः, इन्द्रः, कृष्णः, करीमः, रामः, रहीमः, जिनः, बुद्धः, ख्रिस्तः, अल्लाहः, इत्यादीनि नामानि एकस्य एव परमात्मनः सन्ति। तम् एव ईश्वरं जनाः गुरुः इत्यपि मन्यन्ते। अतः सर्वेषां मताना समभावः सम्मानश्च अस्माकं संस्कृतेः सन्देशः।

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति क्रोधं हित्वा न शोचति।
कामं हित्वार्थवान भवति लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।

https://www.upboardonline.com

ख निम्नलिखित शब्दो के चतुर्थी एकवचन के रूप लिखिए– (2)

1. मति अथवा मधु 2. नदी अथवा फल

ग. निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष एवं वचन लिखिए। (2)

हसेम, अपठत्

घ. निम्नलिखित वाक्यों मे से किन्हीं दो का संस्कृत मे अनुवाद कीजिए। (1+1=2)

1. मैं घर जाऊंगा। 2. राधा ने पुस्तक पढ़ी।
3. गंगा हिमालय से निकलती है। 4. गुरुजी को नमस्कार है।

11 निम्नलिखित मे से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए– (6)

क. यातायात की समस्याए ख. राष्ट्रीय एकता
ग. आजादी का अमृत उत्सव घ. राज भाषा हिन्दी

3.12 स्वपठित खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए। (3)

अथवा

खण्ड काव्य के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।



https://www.upboardonline.com